



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 23 जुलाई, 2025

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय:** i) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, 23-25 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में अत्यधिक भारी वर्षा होगी; 24 और 25 जुलाई को कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।
- ii) 24-28 जुलाई के दौरान देश के पूर्वी और मध्य भागों (गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड) में भी भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, 25 जुलाई को ओडिशा में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।

पिछले 24 घंटों में 23 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम:

- भारी से अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) तेलंगाना के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई।
- भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) तटीय कर्नाटक, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर राजस्थान, उत्तराखंड, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई; भारी वर्षा (7-11 सेमी) जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ओडिशा, गुजरात क्षेत्र, गोवा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल के अलग-अलग स्थानों पर दर्ज की गई।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुबंध I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III देखें):

- मॉनसून ट्रफ का पश्चिमी छोर औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर में और पूर्वी छोर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर निचले क्षोभमंडल स्तरों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण है।
- जम्मू और कश्मीर और आसपास के हिमाचल प्रदेश के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक पश्चिमी विक्षोभ के रूप में चक्रवाती परिसंचरण है।
- पूर्वोत्तर असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तरों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण है।
- पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण (उष्णकटिबंधीय चक्रवात WIPHA का अवशेष) अगले 24 घंटों में उत्तर बंगाल की खाड़ी में उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव में, अगले 24 घंटों में उसी क्षेत्र में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- मध्य क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर-पूर्व अरब सागर से पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरण तक एक ट्रफ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय कर्नाटक में 23 से 25 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 23 से 29 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना; तमिलनाडु, तेलंगाना में 23 से 27 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और तेलंगाना में 23 और 24 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- कोंकण और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 24 और 25 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 23 से 29 जुलाई के दौरान अलग-अलग से कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और मराठवाड़ा में 26 जुलाई को भारी वर्षा; गुजरात क्षेत्र में 23 से 29 जुलाई; सौराष्ट्र और कच्छ में 26 से 29 जुलाई के दौरान भारी वर्षा और गुजरात क्षेत्र में 27 और 28 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- ओडिशा में 25 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा में 23 से 28 जुलाई; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड में 24 से 28 जुलाई; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 से 27 जुलाई के दौरान अलग-अलग भारी वर्षा की संभावना; पश्चिम मध्य प्रदेश में 26 से 28 जुलाई; पूर्व मध्य प्रदेश में 25 से 28 जुलाई; विदर्भ, झारखंड में 25 से 27 जुलाई; छत्तीसगढ़, ओडिशा में 24 से 26 जुलाई; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 24 और 25 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक क्षेत्र में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएँ (गति 30-40 किमी प्रति घंटा) की संभावना, बिहार में 24 और 25 जुलाई को मध्यम बिजली की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- जम्मू और कश्मीर में 23 और 24 जुलाई और 27 से 29 जुलाई; हिमाचल प्रदेश में 23 जुलाई और 27 से 29 जुलाई; उत्तराखंड में 23 से 29 जुलाई; पंजाब, हरियाणा में 23, 24 और 28 जुलाई; पश्चिम उत्तर प्रदेश में 23 और 26 से 29 जुलाई; पूर्व उत्तर प्रदेश में 25 से 28 जुलाई; पश्चिम राजस्थान में 27 से 29 जुलाई और पूर्व राजस्थान में 23 और 26 से 29 जुलाई के दौरान अलग-अलग भारी वर्षा की संभावना; जम्मू-कश्मीर में 23 जुलाई और पूर्व राजस्थान में 27 और 28 जुलाई को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 7 दिनों तक उत्तर-पूर्व भारत में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग भारी वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 23 जुलाई से 28 जुलाई, 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

- **अरब सागर:** गुजरात, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, केरल तटों और आसपास के समुद्री क्षेत्रों; लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों, दक्षिण-पूर्व, पूर्व-मध्य, उत्तर-पूर्व अरब सागर और आसपास के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों;

सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और समुद्री क्षेत्रों; मध्य अरब सागर से सटे उत्तरी अरब सागर के हिस्सों में 23 से 28 जुलाई तक।

- **बंगाल की खाड़ी:** तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तटों के साथ और आसपास दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी; मन्नार की खाड़ी, अंडमान सागर में 23 से 28 जुलाई तक; ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, म्यांमार तटों; उत्तर बंगाल की खाड़ी में 24 से 28 जुलाई तक।

ii. 23 से 26 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

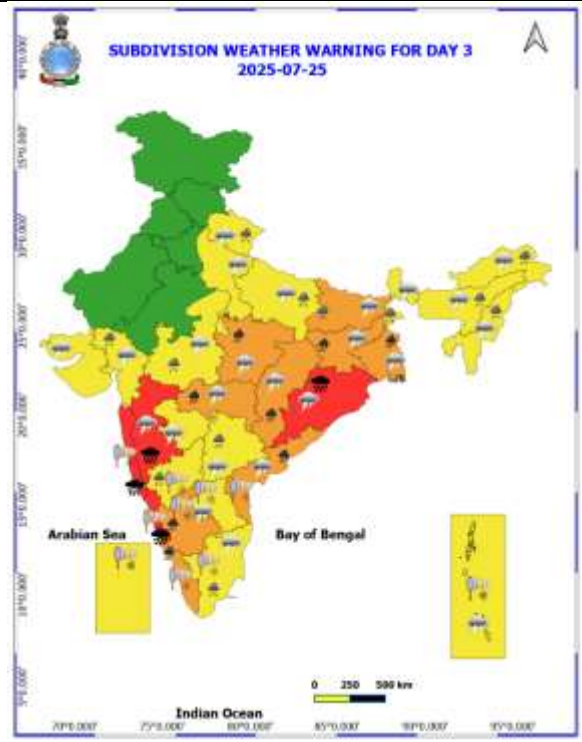
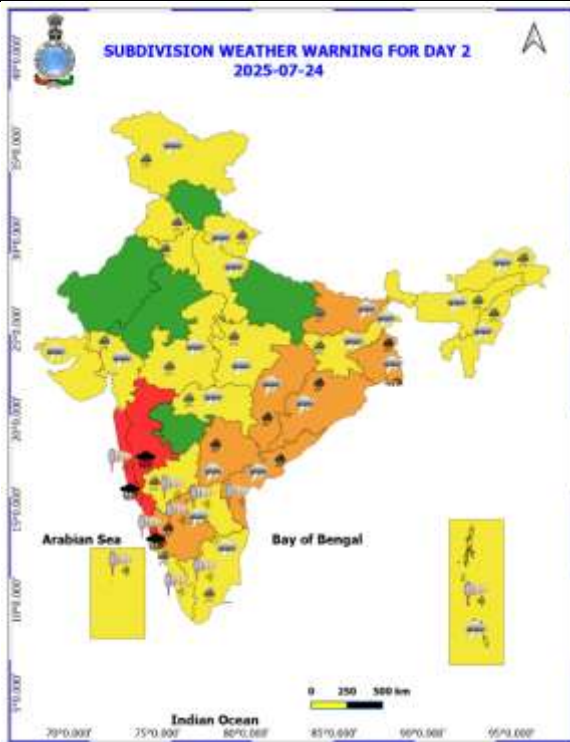
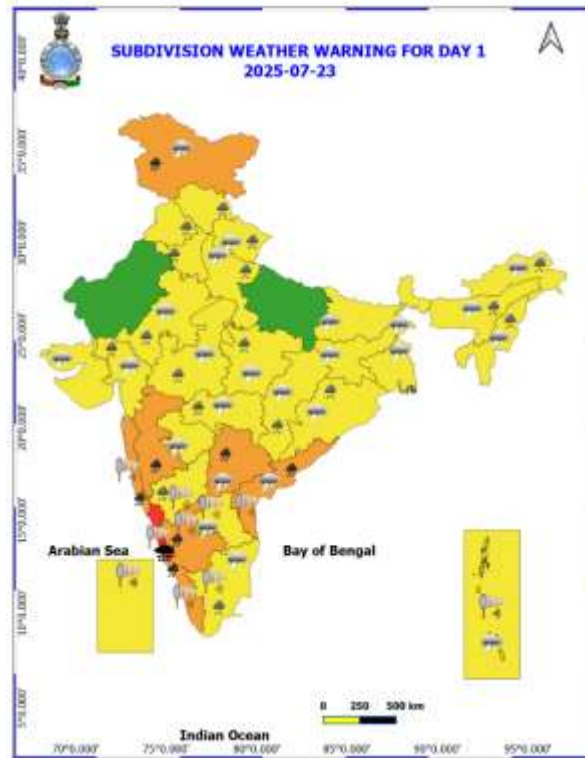
वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

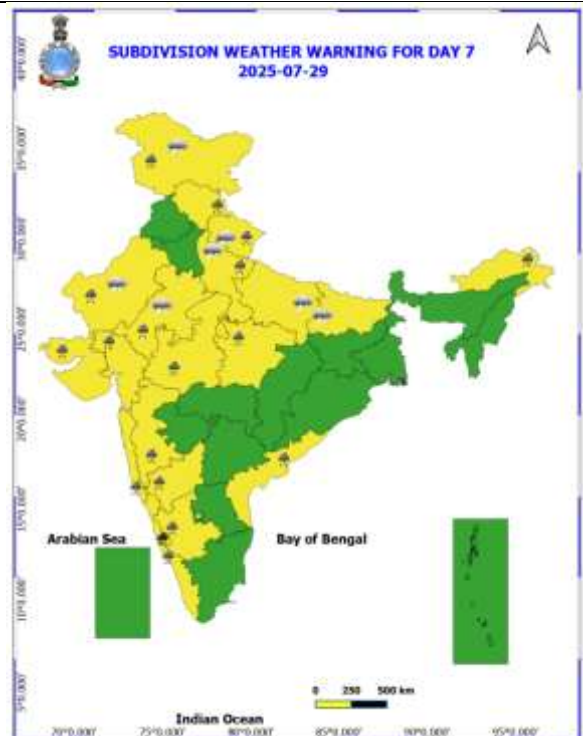
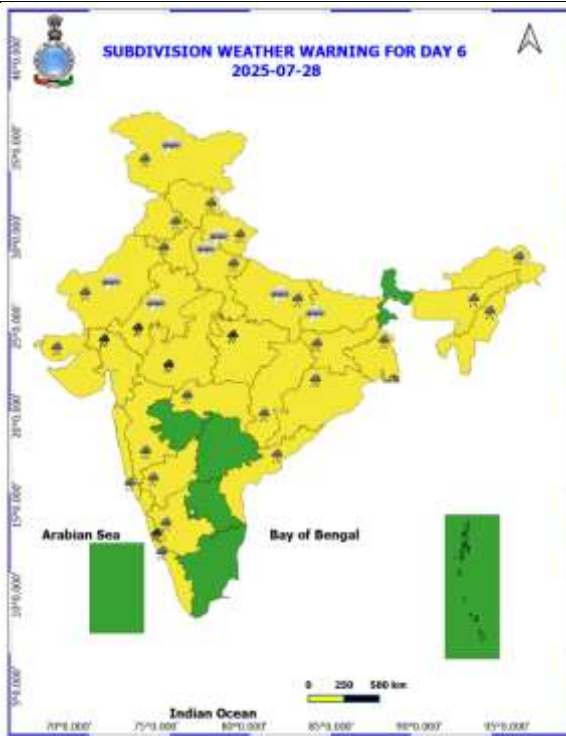
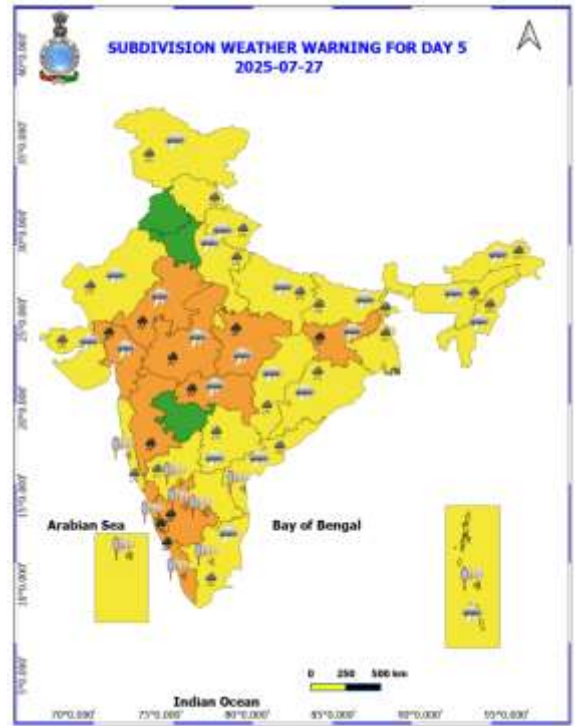
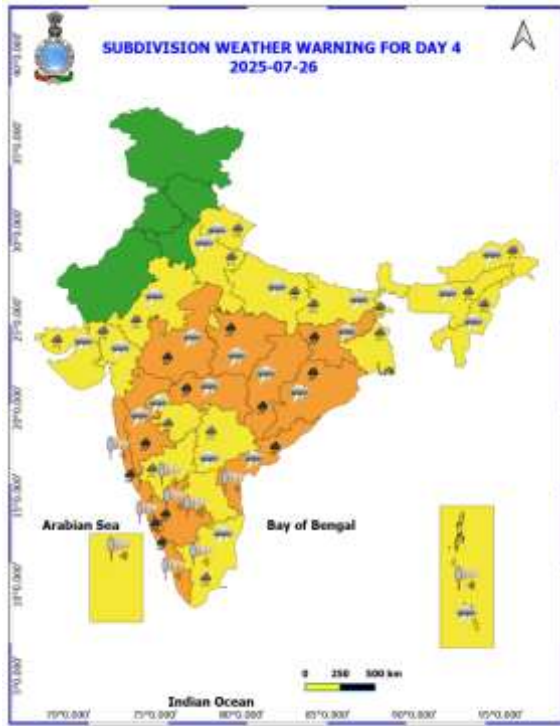
पिछले 24 घंटों में 23 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक दर्ज की गई वर्षा:

- **तेलंगाना:** वेंकटपुरम (जिला मुलुगु) 26 सेमी; मनुगुरु (जिला बी. कोठागुडेम) 19 सेमी; गोविंदरावपेट (जिला मुलुगु) 15 सेमी; एटर्नागरम (जिला मुलुगु) 12 सेमी; भीमदेवरपल्ली (जिला हनुमकोंडा), मधिरा (जिला खम्मम) 11 सेमी प्रत्येक; मोगुल्लापल्ली (जिला जे. भूपालपल्ली), सूर्यापेट (जिला सूर्यापेट), वेंकटपुर (जिला मुलुगु), भीमिनी (जिला मंचेरियल), नूथनकाल (जिला सूर्यापेट) 10 सेमी प्रत्येक; चेन्नारावपेट (जिला वारंगल), पिनपका (जिला बी. कोठागुडेम), कोठागुडा (जिला महबूबाबाद), जम्मिकुंटा (जिला करीमनगर), श्रीरामपुर (जिला पेद्दापल्ली), मोथे (जिला सूर्यापेट) 9 सेमी प्रत्येक; सरंगपुर (जिला जगतियाल), मुस्ताबाद (जिला राजन्ना सिरसिल्ला), कुसुमांची (जिला खम्मम), करीमनगर AP (जिला करीमनगर), अस्वापुरम (जिला बी. कोठागुडेम), धर्मरम (जिला पेद्दापल्ली), रामायमपेट (जिला मेदक), टेकुलापल्ली (जिला बी. कोठागुडेम) 8 सेमी प्रत्येक; गुदुरवरगल (जिला महबूबाबाद), गर्ला (जिला महबूबाबाद), गंभीरावपेट (जिला राजन्ना सिरसिल्ला), गुंडाला (जिला बी. कोठागुडेम), शायमपेट (जिला हनुमकोंडा), एलागैद (जिला पेद्दापल्ली), कोडदा (जिला सूर्यापेट), चित्याल (जिला जे. भूपालपल्ली), घनपुरजस्कब (जिला जे. भूपालपल्ली), जयपुर (जिला मंचेरियल), जुलापल्ली (जिला पेद्दापल्ली) 7 सेमी प्रत्येक।
- **तटीय कर्नाटक:** मंकी (जिला उत्तर कन्नड़) 19 सेमी; कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 16 सेमी; करवार (जिला उत्तर कन्नड़) 15 सेमी; गेर्सो (जिला उत्तर कन्नड़) 14 सेमी; शिराली PTO (जिला उत्तर कन्नड़) 13 सेमी; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़) 11 सेमी; गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़), सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़) 8 सेमी प्रत्येक; सिद्धापुर (जिला उडुपी), कोटा (जिला उडुपी) 7 सेमी प्रत्येक।
- **कोंकण और गोवा:** रोहा (जिला रायगढ़) 16 सेमी; ताला (जिला रायगढ़) 15 सेमी; श्रीवर्धन (जिला रायगढ़), मुरुद (जिला रायगढ़), रत्नागिरी (जिला रत्नागिरी), पेन (जिला रायगढ़), कणकवली (जिला सिंधुदुर्ग) 12 सेमी प्रत्येक; मंगांव (जिला रायगढ़), मोरमुगांव - Pmo IMD (जिला दक्षिण गोवा), अलीबाग - IMD पार्ट टाइम (जिला रायगढ़), म्हसला (जिला रायगढ़), डबोलिम N.A.S.- नेवी (जिला दक्षिण गोवा), राजापुर (जिला रत्नागिरी), सावर्डे-ARG (जिला रत्नागिरी) 11 सेमी प्रत्येक; आवलेगांव - ARG (जिला सिंधुदुर्ग), पणजी (जिला उत्तर गोवा), लांजा (जिला रत्नागिरी) 10 सेमी प्रत्येक; सुदागढ़ पाली (जिला रायगढ़), पोंडा (जिला उत्तर गोवा), गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी), कोलाबा (जिला मुंबई सिटी), कैनाकोना (जिला दक्षिण गोवा), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग), दापोली ARG (जिला रत्नागिरी), वाकवाली ARG (जिला रत्नागिरी) 9 सेमी प्रत्येक; सांताक्रूज (जिला मुंबई उपनगरीय), हरनाई IMD (जिला रत्नागिरी), कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), मडगांव (जिला दक्षिण गोवा), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी) 8 सेमी प्रत्येक; खेड़ (जिला रत्नागिरी), उरण (जिला रायगढ़), मापुसा (जिला उत्तर गोवा), वैभववाडी (जिला सिंधुदुर्ग), पोलादपुर (जिला रायगढ़) 7 सेमी प्रत्येक।
- **पूर्वी राजस्थान:** पिलानी (जिला झुंझुनू) 14 सेमी; बहादुरपुर SR (जिला अलवर) 11 सेमी; मंडावर (जिला अलवर), अलवर Obs (जिला अलवर) 10 सेमी प्रत्येक; चिड़ावा (जिला झुंझुनू) 9 सेमी; रामगढ़ SR (जिला अलवर) 7 सेमी।
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** झरदा (जिला उज्जैन) 12 सेमी; बरोद (जिला अगर-मालवा) 10 सेमी; इच्छावर (जिला सीहोर) 8 सेमी; गुना-AWS (जिला गुना), गोदडोंगरी (जिला बैतूल), मोमन बड़ोदिया (जिला शाजापुर) 7 सेमी प्रत्येक।
- **उत्तराखंड:** दीदीहाट (जिला पिथौरागढ़) 12 सेमी; धारचूला (जिला पिथौरागढ़) 9 सेमी।
- **गुजरात क्षेत्र:** जलालपुर (जिला नवसारी) 10 सेमी; नवसारी (जिला नवसारी) 9 सेमी।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक:** अगुंबे AWS (जिला शिवमोगा) 10 सेमी।
- **छत्तीसगढ़:** उसूर (जिला बीजापुर) 10 सेमी; भैरमगढ़ (जिला बीजापुर) 9 सेमी; सुकमा (जिला सुकमा) 7 सेमी।
- **मध्य महाराष्ट्र:** लोनावला ARG (जिला पुणे) 9 सेमी; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 8 सेमी; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 7 सेमी।
- **केरल और माहे:** पीरमेड TO (जिला इडुक्की) 9 सेमी; कुदुलु (जिला कासरगोड), कायमकुलम ARG (जिला अलपुड़ा) 7 सेमी प्रत्येक।
- **पंजाब:** जगरांव (जिला लुधियाना) 9 सेमी; मलिकपुर (जिला पठानकोट) 8 सेमी।
- **बिहार:** घनश्यामपुर (जिला दरभंगा), तारडीह (जिला दरभंगा) 8 सेमी प्रत्येक।
- **ओडिशा:** डुंगुरीपल्ली (जिला सोनपुर) 7 सेमी।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	23- Jul	24- Jul	25- Jul	26- Jul	27- Jul	28- Jul	29- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
7	ODISHA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	FWS	SCT	FWS	SCT	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	FWS	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
18	EAST RAJASTHAN	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
29	TELANGANA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

दिल्ली/एनसीआर के लिए 23 से 26 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। अधिकतम तापमान लगभग 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 24 से 27 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। बीते 24 घंटों के दौरान आकाश आमतौर पर मेघाच्छादित रहा और सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से लगभग 15 किमी प्रति घंटे की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में भी आकाश सामान्यतः बादलों से घिरा रहा और हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

23.07.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। रुक-रुक कर हल्की बारिश/बूँदाबाँदी हो सकती है, शाम/रात में गरज/बिजली के साथ एक-दो बार मध्यम बौछारें पड़ने की संभावना है। हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस कम होगा। प्रमुख सतही हवा दोपहर में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर 10-15 किमी प्रति घंटे रहेगी।

24.07.2025: आकाश सामान्यतः मेघाच्छादित रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री कम रहेगा। सुबह की सतही हवा पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम होगी, और शाम-रात में पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

25.07.2025: आकाश सामान्यतः मेघाच्छादित रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रहेगा। सुबह में पश्चिम दिशा से हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में गति घटकर 15 किमी प्रति घंटे से कम और शाम-रात में 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

26.07.2025: आकाश सामान्यतः मेघाच्छादित रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम रहेगा। सुबह में हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेगी। दोपहर में हवा पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी, जो शाम-रात में घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

हल्की से मध्यम वर्षा व गरज/बिजली गिरने की संभावना के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कार्य:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 23-25 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 24 और 25 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के कोंकण और घाट क्षेत्रों में और 25 जुलाई को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 23-27 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना; 26-28 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 25-28 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 25-27 जुलाई के दौरान विदर्भ, झारखंड; 24-26 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, ओडिशा; 24 और 25 जुलाई को पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय क्षेत्र; 23 जुलाई को जम्मू-कश्मीर और 27 और 28 जुलाई को पूर्वी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **दक्षिणी तेलंगाना** में धान की नर्सरी बुवाई और **उत्तरी तेलंगाना** में धान की रोपाईं स्थगित करें। धान, मक्का, मूंगफली, कपास, सोयाबीन, अरहर और सब्जियों के खेतों से जल निकासी की उचित सुविधा सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र के कोंकण** में धान और रागी की नर्सरी, मूंगफली, सब्जियों और बागवानी फसलों तथा **मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों** में धान और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **विदर्भ** में सोयाबीन, कपास, अरहर, ज्वार, मक्का, मूंग, उड़द और हल्दी के खेतों में जल निकासी की पर्याप्त सुविधा प्रदान करें।
- **जम्मू और कश्मीर के उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का, मूंग, सब्जियों और रोपे जा चुके धान के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें। **मध्यवर्ती क्षेत्र** में, मक्का और सब्जियों की अंतर-कृषि गतिविधियों को स्थगित करें। मक्का, सब्जियों और दालों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड में, भाबर और तराई क्षेत्र** में धान और **पहाड़ी क्षेत्र** में उड़द के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी, खीरा और धान के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।

- **हिमाचल प्रदेश** में, मक्का, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ। लंबी और फलदार फसलों एवं खीरे की बेलों को सहारा प्रदान करें। **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में, पके हुए टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च और फलों की कटाई करें और कटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। सब्जी वर्गीय फसलों सहारा को प्रदान करें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें तथा सुपारी के खेतों एवं केले के बागानों में जल निकासी की व्यवस्था करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, धान की नर्सरी, मक्का, कपास एवं अदरक के खेतों तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में, सुपारी और नारियल के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में, मक्का, टमाटर और केले को सहारा प्रदान करें। विशेष रूप से धान, सब्जियों और मसाला फसलों में जलभराव को रोकने हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। धान की नर्सरियों और सब्जियों के नए पौधों को प्लास्टिक शीट या कृषि-छाया जाल जैसे आवरणों से ढक दें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, **कृष्णा गोदावरी क्षेत्र** में मक्का और सीधी बुवाई वाले धान के खेतों में उचित जल निकासी चैनल सुनिश्चित करें।
- **छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्र** में धान की नर्सरी, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, गन्ना और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र** में, निचली भूमि में धान की रोपाई स्थगित कर दें। रोपे गए धान और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले और पपीते में सहारा/प्रॉपिंग का काम करें। **बस्तर के पठारी क्षेत्र** में, धान, बाजरा, मक्का, दलहन और तिलहन से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **मध्यप्रदेश के झाबुआ पहाड़ी क्षेत्र** में सोयाबीन, कपास, मक्का, उड़द और सब्जियों के लिए जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें। **गिर्द क्षेत्र** में सोयाबीन और अरहर में जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **ओडिशा** में, धान की नर्सरियों एवं रोपित धान, मक्का, दालों, सब्जियों तथा बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

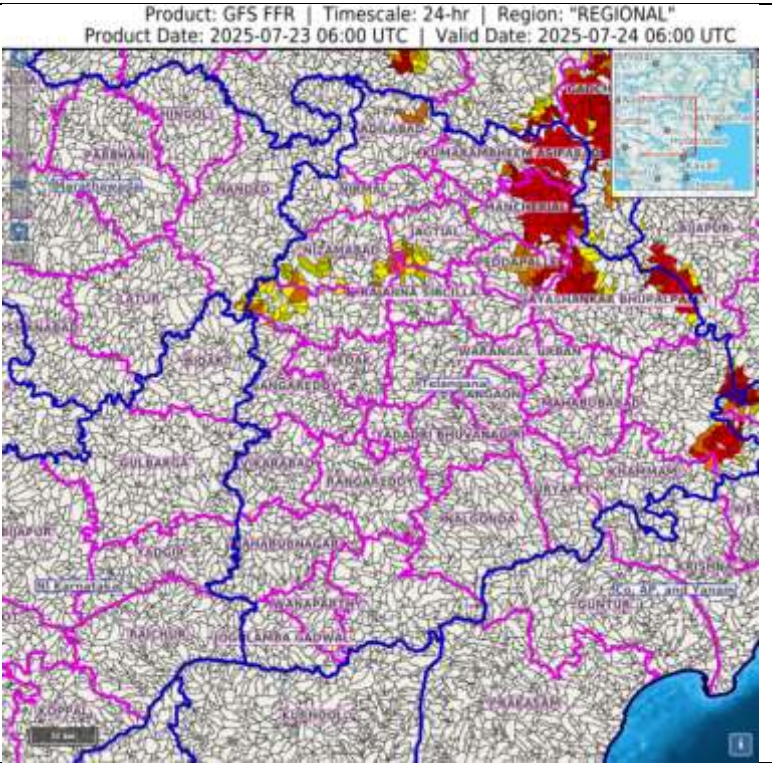
आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

24-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

तेलंगाना - भद्राद्री कोठागुडेम, जयशंकर भूपालपल्ली, पेड्डापल्ले, मंचेरियल, कुमारमभीम आसिफाबाद, जगित्याल, आदिलाबाद, निज़ामाबाद और कामारेड्डी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



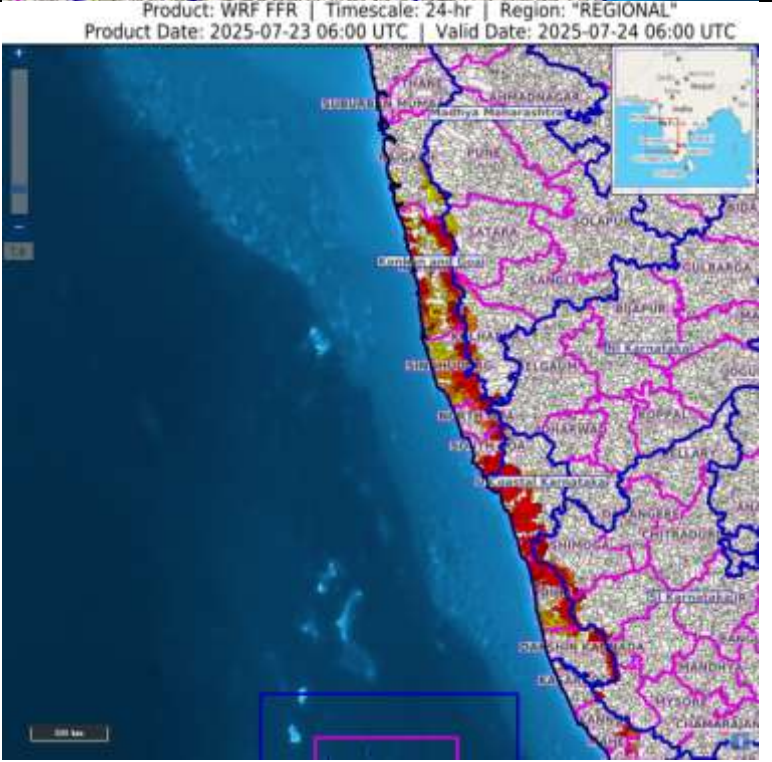
24-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले।

कोंकण और गोवा - उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी और रायगढ़ जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



24-07-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

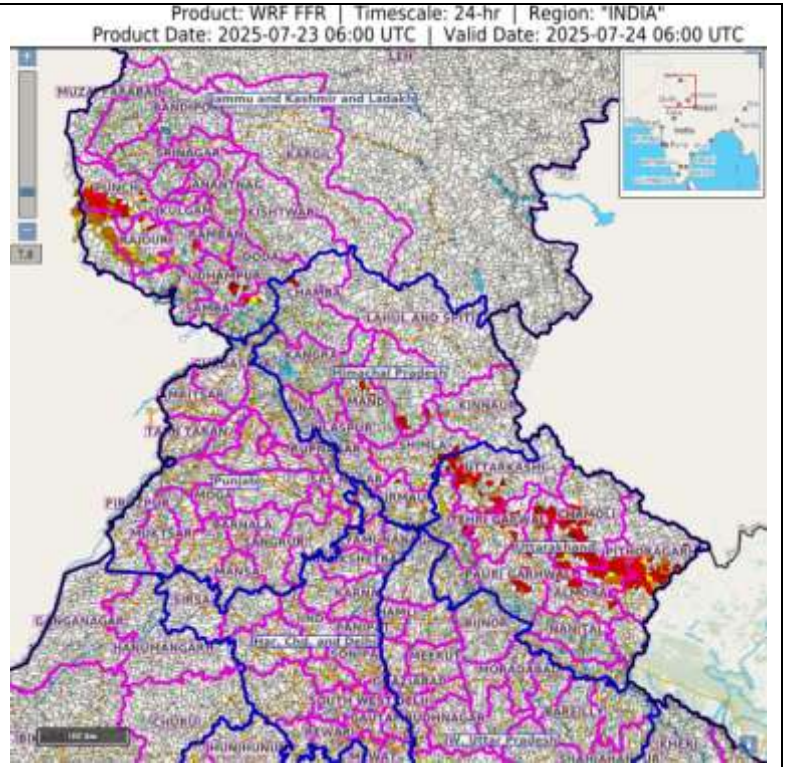
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

जम्मू और कश्मीर - पुंछ, राजौरी, रामबन, उधमपुर, डोडा, रियासी और कठुआ जिले।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, मंडी, कुल्लू, सिरमौर और शिमला जिले।

उत्तराखंड - देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ जिले।

मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।



किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

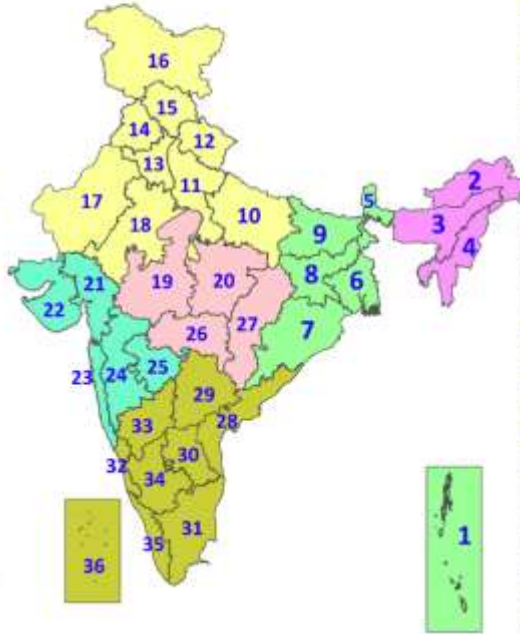
➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)